सम्पूर्णता के लिए तीव्र पुरुषार्थ

स्वमान - मैं सम्पूर्ण पवित्र आत्मा हूँ

मैं परम पवित्र जगमगाती ज्योति हूँ। भृकुटी सिंहासन पर विराजमान मुझ पवित्र आत्मा से निरंतर निकल रहे पवित्र वायब्रेशन्स विश्व की सर्व दु:खी, अशांत आत्माओं को सुख, शांति की अंचली दे रहे हैं। सर्व आत्माएं आत्मिक शांति का अनुभव कर तृप्त हो रही हैं....प्रकृति के पांचों तत्व पावन बन रहे हैं...। **मैं मा. पवित्रता का सूर्य हूँ** - मैं पवित्रता का सूर्य ग्लोब पर स्थित होकर संसार से अपवित्रता के अंधकार को दूर कर रहा हूँ। पवित्रता के सागर से पवित्रता की रश्मियां मेरे ऊपर आ रही हैं और मुझसे चारो ओर फैल रही हैं। मैं परम पवित्र फरिश्ता इस देह से निकलकर फरिश्तों की दुनिया में चला जाता हूँ, जहां प्रकृति के पांचों तत्व हाथ जोड़कर मेरे सामने खड़े हैं। मैं बाबा से पवित्र किरणें लेकर उन्हें पावन बना रहा हूँ।

सदा याद रहे - मैं आत्मा इस धरती पर पवित्रता के वायब्रेशन्स फैलाने के लिए ही अवतरित हुई हूँ। पवित्रता बापदादा से प्राप्त हुआ वरदान है। पवित्रता माया के अनेक विघ्नों से बचने के लिए छत्रछाया है। पवित्रता भविष्य 21 जन्मों के प्रालब्ध का आधार है। पवित्रता मुझ आत्मा का स्वधर्म है। पवित्रता का दान देना मुझ आत्मा का स्वभाव है। पवित्र दुनिया की स्थापना में मन्सा, वाचा, कर्मणा में तत्पर रहना मुझ आत्मा का श्रेष्ठ कर्तव्य है। पवित्रता मुझ आत्मा का श्रृंगार है। पवित्र संकल्प ही मेरी बुद्धि का भोजन है। पवित्रता के सागर शिवबाबा ने स्वयं मुझे पवित्र दुनिया के महान कार्य को पूर्ण करने के निमित्त बनाया है....।

धारणा - व्यर्थ से पूरी तरह मुक्त, सदा समर्थ - बाबा ने कहा बच्चे व्यर्थ में चले जाते हैं। संकल्प, समय, श्वास, शक्तियां, गुण आदि कई खज़ाने व्यर्थ में ही चले जाते हैं। इसलिए हम बापदादा से दिल से प्रतिज्ञा करें - प्यारे बाबा हम व्यर्थ में नहीं जाएंगे, न व्यर्थ सोचेंगे, न व्यर्थ बोलेंगे, न व्यर्थ समय गंवाएंगे, न व्यर्थ सुनेंगे, न व्यर्थ देखेंगे। मीठे शिव बाबा हम सदा व्यर्थ से मुक्त रह समर्थ स्थिति बनाकर अपने चलन और चेहरे से आपकी प्रत्यक्षता करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इस प्रतिज्ञा को रोज़ अमृतवेले बाबा के सम्मुख दोहराएंगे और दिन में विशेष अटेंशन रख अपने पुरुषार्थ में मस्त रहेंगे, अन्तर्मुखी होकर अतीन्द्रिय सुख के अनुभव में खोए रहेंगे। दृष्टि में आत्मिक भाव, मन्सा में शुभ भावना, बोल में मधुरता और कर्म में सबको संतुष्ट करने की भावना हो।

विशेष - निमित्त आत्माओं के वायब्रेशन्स चारो ओर फैलते हैं इसलिए अभी आत्माओं को एक्स्ट्रा सकाश दो। हम सकाश देने में इतना व्यस्त हो जाएं कि स्वप्न में भी सम्पूर्ण पवित्रता का सकाश पूरे विश्व में फैलता रहे...।

स्वमान - मैं आत्मा विश्व कल्याणकारी हूँ

मैं शुद्ध, पवित्र आत्मा इस संसार में सर्व का कल्याण करने के लिए ही अवतरित हुई हूँ..., मुझे तो प्रकृति सहित सारे विश्व का कल्याण करना है।

योगाभ्यास - मैं आत्मा मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ, मास्टर ज्ञानसूर्य हूँ...। मेरी मस्तक और नयनों से निरंतर सकाश निकल कर चारो ओर फैल रही है। विश्व की सर्व आत्माओं के व्यर्थ संकल्प व विकर्म भस्म हो रहे हैं..। सर्वशक्तियों से सम्पन्न मैं आत्मा अपने अव्यक्त आकारी फरिश्ते चोले में विश्व के ग्लोब पर बैठी हूँ..., सर्व आत्माओं का कल्याण हो..., सबके दु:ख दूर हो जाएं..., सर्व आत्माएं सम्पूर्ण पावन बन जाएं....., ऐसे अनुभव करें कि मेरी नज़र संसार की सभी आत्माओं पर पड़ रही है..., सर्व आत्माएं बाबा की सर्वशक्तियों रूपी किरणों से नहा रही हैं...। प्रकृति के पांचों तत्वों सहित सभी आत्माएं पावन बनती जा रही हैं।

योग का प्रयोग - सकाश द्वारा अन्यात्माओं की बुद्धि को बदलने की सेवा करना, जिस आत्मा की सेवा करनी है उसे इमर्ज कर विचार देना है कि आप बहुत अच्छी आत्मा हो, आप विश्व कल्याणकारी आत्मा हो, आप मेरे फ्रेन्ड हो। ऐसे ही शराब छुड़ाने वाले के लिए विचार दे सकते हैं कि यह बहुत खराब आदत है, इससे बहुत नुकसान होता है, इसे आप छोड़ दो। क्योंकि जो विचार हम परमात्म याद में करते हैं, उस समय उस आत्मा को इमर्ज करके देंगे तो वह उसके मन को पूरा टच होगा। इसका प्रयोग सात दिन या इक्कीस दिन अवश्य करना है, इसके लिए मन बिल्कुल शुद्ध हो। सम्पूर्ण विश्वास के साथ यह सेवा करनी है।

सदा याद रहे - जैसा बाप वैसे बच्चे, जिस प्रकार बाबा के मन में सदैव सर्व के प्रति कल्याण की भावना समाई हुई है उसी प्रकार मेरे मन में भी सर्व आत्माओं के प्रति कल्याण की भावना भरी हुई हो। क्योंकि हम सब आत्माएं एक ही परिवार के हैं, एक ही घर से आए हैं, एक ही पिता के बच्चे हैं तो फिर भेदभाव हो ही नहीं सकता। इसलिए हम किसी के प्रति अकल्याण का संकल्प भी नहीं कर सकते।

बाबा से दोस्ती का अनुभव भी करें – एक खुदा शिव बाबा ही मेरा सच्चा दोस्त है....., अपने प्यारे दोस्त से बातें करें..., मेरे प्यारे दोस्त शिव बाबा आप कितने मीठे, सर्व के हितकारी हो..., आपने मेरे से दोस्ती कर मुझे कितना कुछ दिया, मेरी सर्व समस्याओं को हल कर दिया...., हर समय आप मेरे पास चले आते हो..., सचमुच मेरे जिगरी दोस्त आपने मेरा जीवन ही खुशबूदार बना दिया...। जीवन में सुख, शांति, आनंद व खुशियों की खुशबू बिखेर दी...। मैं धन्य-धन्य हो गया। मेरे दिलाराम शिव बाबा आपकी इस नि:स्वार्थ दोस्ती से मैं हल्का हो गया, लाईट हो गया।

धारणा - निर्विकल्प संकल्पों के साथ नि:स्वार्थ सेवा करनी है। ज़रा भी स्वार्थ की भावना न हो।

चिन्तन - हम स्वयं से व दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार कैसे करें? चिन्तन कर अच्छे अच्छे विचार लिखें।

अपने से पूछो - मैं क्या पुरुषार्थ करता हूँ, और क्या कर सकता हूँ - निश्चित ही मन गवाही देगा कि मैं जो पुरुषार्थ कर रहा हूँ, उससे कई गुणा ज़्यादा कर सकता हूँ। तो जो मैं कर सकता हूँ वो तो कर लूँ ताकि अंत में मेरा मन यह सोचकर न पछताए कि मैं कर तो सकता था, परन्तु मैंने किया नहीं।

पुणे। सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता विनोद खन्ना को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु. रूपा। साथ हैं ब्र.कु. दीपक।

मोहाली। महिला दिवस पर आयोजित सेमिनार का दीप प्रज्वलन द्वारा उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. प्रेमलता, ब्र.कु. रमा, श्रीमती नीना संघु,प्रेसीडेंट डिस्ट्रीक्ट फोरम,रोपर, बीबी सिमरण जीत कौर सिद्धु,पंजाब स्टेट वुमेन कमिशन मेम्बर, बीबी सुरजीत कौर,जेनेरेशन सेवियर एंड ह्युमन राइट्स मंच प्रेसीडेंट, बीबी हरजीत कौर सिद्धु तथा बीबी बलजिन्दर कौर।

ऋषिकेश। शिवजयन्ती के अवसर पर दीप प्रज्वलित करते हुए श्री राजेंद्र गिरी जी महाराज,निरंजनी अखाडा, महंत श्री अखिलेश भारती जी महाराज,महानिर्वाणी अखाडा, महंत श्री रामेश्वर जी महाराज,जूना अखाडा, ब्र.कु. आरती तथा ब्र.कु. मातवर सिंह राणा।

पलवल। ज्योति दलाल को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु.राज। साथ हैं ब्र.कु.रानी एवं ब्र.कु.राजेन्द्र।

उषानगर-इन्दौर। ''नारी सुरक्षा-हमारी सुरक्षा'' अभियान का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए डॉ. रीता जैन,लायन्स क्लब प्रेसीडेंट एवं समाजसेवी, संगीता अग्निहोत्री,प्रथम महिला तबला वादक,म.प्र., मंजूषा जौहरी,डायरेक्टर,शिवमू कला केन्द्र, ब्र.कु. मंजू, ब्र.कु. अनीता, ब्र.कु. सुमित्रा,कॉर्डिनेटर,महिला प्रभाग, ब्र.कु. ललिता, ब्र.कु. संगीता तथा क्रिकेट खिलाड़ी बिन्देश्वरी गोयल।

संगमनेर। शिव संदेश रेलवे यात्रा का उद्घाटन करते हुए नगर अध्यक्ष दिलीप पुंड, ब्र.कु.भारती तथा अन्य।

सकारात्मक चिंतन...

पेज 12 का शेष

व्यक्त करते हुए कहा कि वह सम्मान रक्षा करते हुए भविष्य में गरीबों व असहायों के उत्थान के लिये कार्य करेंगी।

इस अवसर पर विशिष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किये गये राजस्थान ब्रजभाषा अकादमी के पूर्व अध्यक्ष हीरालाल शर्मा 'सरोज' का परिचय डॉ. दाऊदयाल गुप्ता ने तथा रमेशचन्द पाराशर,पूर्व उपनिदेशक कृषि का परिचय रामबाबू शुक्ल द्वारा प्रस्तुत किया गया। इन दोनों का मंचासीन अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया तथा उन्होंने अपने उद्बोधन में सम्मान के प्रति आभार व्यक्त किया। सोहनलाल शर्मा 'प्रेम' ने भी कन्याओं के सवाभिमान की रक्षा पर गीत प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का प्रारम्भ माँ सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन, ब्र.कु. गीता द्वारा प्रस्तुत गीत, डॉ. हरिओम गौतम दिवाकर की सरस्वती वंदना एवं मंचासीन अतिथियों को प्रन्यास एवं समिति अध्यक्ष द्वारा पुष्पहार तथा डॉ. योगेन्द्रसिंह ने बैज लगाकर स्वागत के साथ किया।

इस अवसर पर मेवाराम कटारा, राजेन्द्र भूषण शर्मा, नित्यप्रकाश मुदगल, भुवनमोहन शर्मा, डॉ. सुशील कुमार पाराशर, वैद्य निर्मल खण्डेलवाल, ब्र.कु. जुगलकिशोर सैनी, वैद्य श्रीमती रीना खण्डेलवाल, बृजेश कौशिक, श्रीमती किरन सैनी, राजेन्द्र शर्मा, दाऊदयाल सिंघल के अतिरिक्त काफी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिक, साहित्यकार, आयुर्वेदकर्मी आदि उपस्थित थे।